Geomorphic processes and landforms – Aeolian

पवन द्वारा निर्मित स्थलाकृतियां
Landforms made by Wind or Aeolian Landforms

- शुष्क व अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में पवन द्वारा कई प्रकार की स्थलाकृतियों का निर्माण होता है।
- ऐसे क्षेत्रों में वनस्पति के कमी के कारण पवनें पवनें आसानी से अपरदन का कार्य करती हैं।
- सहारा, अरब, ग्रेट आस्ट्रेलियन, तकला मकान, कालाहारी, नामिब, अटाकामा, थार आदि विश्व के प्रमुख गर्म मरूस्थल हैं।

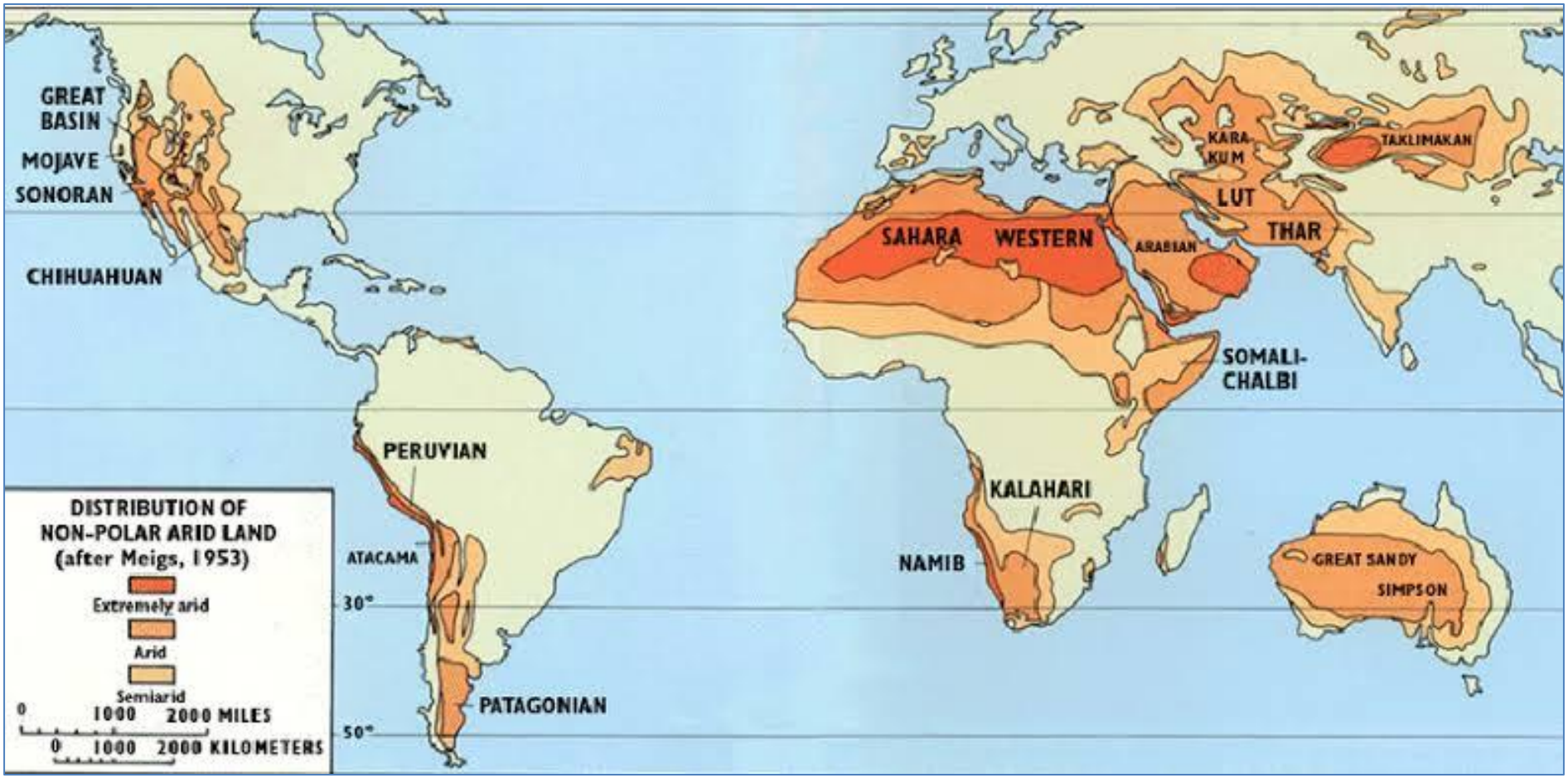
GREAT BASIN
MOJAVE
SONORAN
CHIHUAHUAN
PERUVIAN
ATACAMA
PATAGONIAN
SAHARA
WESTERN
ARABIAN
KARA-KUM
TAKLIMAKAN
LUT
THAR
SOMALI-CHALBI
KALAHARI
NAMIB
GREAT SANDY
SIMPSON
30°
50°
DISTRIBUTION OF NON-POLAR ARID LAND (after Meigs, 1953)
Extremely arid
Arid
Semiarid
0 1000 2000 MILES
0 1000 2000 KILOMETERS

पवन के अपरदनात्मक कार्य

- सन्निघर्षण **(Attrition)**–उडतें कण आपस में टकराकर।
- अपघर्षण **(Abrasion)**–धरातल से 1 मीटर तक की ऊंचाई तक ही प्रभावशाली।
- रेगमाल **(Sand Paper)** की तरह। नीचे अधिक प्रभावी।
- 6 फीट या 182 सेमी. तक। मार्ग में पडने वाली चट्टानों को रगडकर, घिसकर चिकना करके।

प्रभावकारी कारक

- पवन की गति
- वनस्पति आवरण
- जलवायु
- धरातलीय बनावट व शैल संगठन
- धूलकणों की मात्रा, आदि।

स्थलाकृतियां

अपरदनात्मक	निक्षेपात्मक
अपवाहन बेसिन/वातगर्त/पवन गर्त **(Deflation Basin/Blowout)**	बालुका स्तुप **(Sand Dunes)**
इन्सेलबर्ग/द्वीपाभगिरी/बोर्नहार्ट **(Inselberg)**	लोयस **(Loess)**
छत्रकशिला **(Mushroom Rock)**	उर्मिकाएं **(Ripples)**
भूस्तंभ **(Demoiselles or Hood)**	
जालीदार शीला **(Stone Lattice)**	
पुल तथा खिडकी **(Bridge & Window)** वात खिडकी **(Windworn Window)**	
ज्यूजेन **(Zeugen)**	
यारडंग **(Yardang)**	
तिपहल शिला/ड्राइकान्टर **(Dreikanter)**	